ये अव्यक्त इशारे

कर्मयोगी बनो

19-06-2024

जैसे शरीर और आत्मा दोनों कम्बाइन्ड होकर कर्म करते हैं, ऐसे कर्म और योग दोनों कम्बाइन्ड रहें। कर्म करते याद न भूले और याद में रहते कर्म न भूले। आपका टाइटल है कर्मयोगी। कर्म करते याद में रहने वाले सदा न्यारे और प्यारे होंगे, हल्के होंगे, किसी भी कर्म में बोझ अनुभव नहीं करेंगे। कर्मयोगी को ही दूसरे शब्दों में कमल पुष्प कहा जाता है। उनके ऊपर कभी किसी भी प्रकार का कीचड़ अर्थात् माया का वायब्रेशन टच नहीं कर सकता।

Be a karma yogi.

Just as soul and body perform actions while being combined, in the same way, let karma and yoga be combined. While performing actions, do not forget to have remembrance and, while staying in remembrance, do not forget to perform actions. Your title is a karma yogi. Those who stay in remembrance while performing actions always remain detached and loving. They will remain light and will not experience a burden in any action. A karma yogi, in other words, is called a lotus flower. It cannot be touched by any rubbish, that is, by any vibrations of Maya.